

भारत सरकार  
नागर विमानन मंत्रालय  
लोक सभा  
मौखिक प्रश्न संख्या: 53

गुरुवार, 28 नवंबर, 2024/7 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर  
विमान किराये में वृद्धि

\*53. श्री दयानिधि मारनः

क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या यह सच है कि विमान किराये में उत्तर-चढ़ाव हुआ है और पिछले वर्ष के दौरान इनमें 40% की वृद्धि दर्ज की गई है और यदि हां, तो इस संबंध में उठाए गए सुधारात्मक कदमों सहित इस बारे में की गई कार्रवाई का व्यौरा क्या है;
- (ख) क्या सेक्टर के अनुसार विमान किराये के सम्बन्ध में, विशेषकर उच्च मांग की अवधि के दौरान, अधिकतम सीमा निर्धारित करने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है;
- (ग) इस संबंध में उद्योग और हितधारकों के साथ आयोजित बैठकों या किए गए परामर्शों का व्यौरा क्या है;
- (घ) वर्तमान में किराया निर्धारित करने में विभिन्न एयरलाइनों द्वारा अपनाए गए मानदंड क्या हैं;
- (ङ) मनमाने तरीके से मूल्य निर्धारण को रोकने के लिए पारदर्शिता तंत्र स्थापित करने हेतु विचारित रूपरेखा अथवा नीति का व्यौरा क्या है; और
- (च) क्या सरकार यात्रियों को अधिक किफायती विकल्प प्रदान करने हेतु निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने अथवा सार्वजनिक क्षेत्र की भागीदारी को पुनः शुरू करने हेतु पहल करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है?

नागर विमानन मंत्री (श्री किंजरापु राममोहन नायडू)

(क) से (च) : विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

“विमान किराये में वृद्धि” के संबंध में श्री दयानिधि मारन द्वारा पूछे गए लोक सभा के दिनांक 28.11.2024 के मौखिक प्रश्न सं. 53 के भाग (क) से (च) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) से (च) : एयरलाइनों और ऑनलाइन टिकटिंग एजेंटों (ओटीए) के साथ निरंतर संपर्क और सरकार द्वारा विमान किराए के संचलन पर नजर रखने से, वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2024 में विमान किराए में कमी आई है। उल्लेखनीय है कि त्यौहार सीजन के दौरान विभिन्न सेक्टरों में विमान किराए में कमी देखी गई। बेडे में और अधिक विमानों को शामिल करके क्षमता में वृद्धि, हवाईअड्डों के आधुनिकीकरण और नए हवाईअड्डों के विकास के साथ, वर्ष 2022-23 में घरेलू यात्री यातायात 136,028,656 की तुलना में 2023-24 में बढ़कर 153,674,310 हो गया है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में सितंबर तक घरेलू यात्री यातायात (79,345,065) था, जो 2023-24 की इसी अवधि के दौरान (75,358,445) की मात्रा को पार कर गया है, जो 5.3% की वृद्धि दर्शाता है। एयरलाइनों को युक्तिसंगत विमान किराए निर्धारित करने के लिए तथा यात्रियों के हितों को ध्यान में रखने के लिए भी जागरूक किया गया है।

दिनांक 01.08.2024 को सभी एयरलाइनों के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें विमान किराए की पारदर्शिता में वृद्धि करने की संभावित उपायों पर चर्चा की गई। एयरलाइनों द्वारा उचित एवं युक्तिसंगत विमान किराया निर्धारित करने के महत्व पर बल दिया गया, ताकि यह क्षेत्र आम जनता को सेवा प्रदान कर सके तथा निरंतर विकास कर सके।

दिनांक 20.09.2024 को एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें ओटीए को यात्रियों को शीघ्र रिफ़ंड सुनिश्चित करने और बुकिंग के समय किराया वृद्धि के मुद्दे को प्रभावी ढंग से निपटाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने की सलाह दी गई ताकि यात्री संतुष्टि स्तर को बढ़ाया जा सके।

इसके अलावा, डीजीसीए ने दिनांक 19.11.2024 को एयरलाइनों के साथ एक बैठक की, जिसमें दिनांक 01.08.2024 को आयोजित बैठक के दौरान निश्चित किए गए कई प्रमुख मुद्दों पर एयरलाइनों के प्रतिनिधियों के साथ अनुपालन पर बल दिया गया।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक टैरिफ मॉनीटरिंग इकाई (टीएमयू) की स्थापना की है, जो मासिक आधार पर एयरलाइनों की वेबसाइटों का उपयोग करके औचक आधार पर चयनित घरेलू सेक्टरों पर विमान किराए की मॉनीटरिंग करती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एयरलाइनें उनके द्वारा घोषित सीमा से बाहर विमान किराया नहीं वसूलें।

विमान किराए की प्रकृति गतिशील होती है और मांग व आपूर्ति के सिद्धांत का अनुपालन करती है। भारत में विमान किराए की कीमतों में रुक्कान, काफी हद तक मौसमियता, प्रचलित ईंधन मूल्य, मार्ग पर परिचालन करने वाले विमानों की क्षमता, क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा, मौसम, छुट्टियां, त्यौहार, लंबे सप्ताहांत, कार्यक्रम (खेल, मेले, प्रतियोगिताएं) आदि को दर्शाते हैं। मई और जून माह में यातायात में वृद्धि होती है तथा जुलाई के मध्य में अंतर्राष्ट्रीय यात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि होती है, जो घरेलू मांग को भी प्रभावित करती है। जुलाई से सितंबर तक, मानसून के मौसम के कारण आम तौर पर यात्रा गतिविधि में गिरावट आती है। तथापि, अक्टूबर में त्यौहारों के मौसम के आगमन, विशेष रूप से दिवाली के उत्सव के दौरान, यात्रा की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। जनवरी के मध्य तक, यात्रा की मांग कम होने लगती है, जो अप्रैल के अंतिम सप्ताह तक जारी रहती है। इस अवधि के बाद, गर्मी की छुट्टियों के साथ ही यात्रा में नई रुचि उत्पन्न होती है, जिससे एक बार फिर मांग में वृद्धि होती है।

इसके अलावा, विमान किराए का मूल्य निर्धारण, हवाईअड्डों पर प्रचालनिक बाधाओं से काफी प्रभावित होता है, यह भूभाग, मौसम की स्थिति और सीमित प्रचालन समय द्वारा लगाई गई सीमाओं के अध्यधीन होता है। सीमित क्षमता और उच्च मांग के संयोजन से प्रचालनिक सीमाओं और क्षमता प्रतिबंधों के कारण इन मार्गों पर किराए में वृद्धि होती है।

कीमतें निर्धारित करते समय, एयरलाइनें बाजार की स्थितियों, मांग में उतार-चढ़ाव, मौसमी रुझान और अन्य प्रासंगिक बाजार प्रभावों जैसे उपर्युक्त कारकों पर विचार करती हैं। यह दृष्टिकोण उन्हें वर्तमान यात्रा परिदृश्य को दर्शनी वाले तरीके से किराए को समायोजित करने की अनुमति देता है।

विमान किराए सरकार के विनियमन के अधीन नहीं हैं और एयरलाइनों को वायुयान अधिनियम, 1937 के नियम 135 का अनुपालन करते हुए अपनी परिचालन आवश्यकताओं के आधार पर विमान किराए का निर्धारण करने की छूट है। जहां सरकार आम तौर पर बाजार में प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए विमान किराए को विनियमित नहीं करती है, वहीं वह सतर्क रहती है, और यात्रियों की सुविधा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक मूल्य निर्धारण को रोकने के लिए एक सेक्टर से दूसरे सेक्टर में क्षमता स्थानांतरित करने के लिए हस्तक्षेप करती है।

भारतीय विमानन उद्योग की जटिल गतिशीलता को देखते हुए, सरकार इस क्षेत्र के विकास को सहयोग देने के लिए अनुकूल वातावरण का सृजन करके एक सुविधाप्रदाता की भूमिका निभा रही है।

\*\*\*\*\*